

ତୀର୍ଥପଲଞ୍ଜୀ — ଦାଦରା

କାନନ ପିରି ସିଙ୍ଗୁ-ପାର ଫିର୍ମୁ ପଥିକ ଦେଶ-ବିଦେଶ ।
ଅମିନୁ କତଇ ରୂପେ ଏହି ସୃଜନ ଭୂବନ ଅଶେଷ ॥

ତୀର୍ଥ-ପଥିକ ଏହି ପଥେର ଫିରିଯା ଏଲ ନା କେଉ,
ଆଜ ଏ ପଥେ ଯାତ୍ରା ଯାର, କା'ଳ ନାହି ତାର ଚିହ୍ନ ଲେଶ ॥

ରାତ୍ରି ଦିବାର ରଂଘଳ ଚତ୍ରିତ ଏ ଚନ୍ଦ୍ରାତପ
ଦୁ'ଦିନେର ଏ ପାହିବାସ ଏହି ଭୂବନ — ଏ ସୁଖ-ଆବେଶ ॥

ଭୋଗ-ବିଲାସୀ 'ଜମଶେଦେର' ଜଳ୍ମା ଛିଲ ଏହି ସେ ଦେଶ,
ଆଜ ଶୁଶାନ, ଛିଲ ସଥାଯ 'ବହରାମେର' ଆରାମ ଆଯେଶ ॥

				[ପା -ଣ -ପା]
III	ପା -ପା -ପଦା	ଦପା -ମା -ପା	ଜମା -ଜମଜା -ମା	ପା -ନ -ନ I
	କା ନ ନ୦	ଗି ୦ ରି	ସି୦ ନୂ୦ ଧୁ	ପା ୦ ରୁ
I	ମଜା ଜତା -ମା	ଜମା -ପଣା -ପା	ମଜା -ମଜା ରା	-ସା -ନ -ନ }I
	ଫି୦ ରି ନୁ	ପଠ ଦୀର୍ଘ ଥିକ୍	ଦେ୦ ଶୁୠ ବି	ଦେ ୦ ଶୁ
I	ପା -ନ ଣା	ଧଣା -ଧପମା ମା	ପଧା -ପର୍ମଣା ଧା	-ପା -ନ -ନ I
	ବ୍ର ଦୀ ମି	ନୁୠ ଦୀ୦୦ କ	ତଇ ୦୦୦ ରୁ	ପେ ୦ ଦୀ
I	ପା -ନ ପଦା	-ପମା -ନ ପା	ଜମା -ଜମଜା ମା	ପା -ନ -ନ I
	ଏ ଦୀ ସୁୠ	ଜନ୍ମ ଦୀ ଭୁ	ବଠ ନୂ୦ ଅ	ଶେ ୦ ସ୍ଵ

I মজ্জা জ্বা -মা | জ্বমা -পণা -পা | মজ্জা -মজ্জা রা | -সা -া -া II
 ফিৰি রিনু প০ ০০ থিক্ দে০ শ্ৰী বি দে ০ শ্

II মপা -মপা -পা | মজ্জা -া মা | পা -ণা গৰ্সা | -সা -া -া I
 তীৰ রূপ থ প০ ০ থিক্ এ০ ই০ প খে ০ র
 ভোৱ গ্ৰী বি লাও ০ সী জো মৰু শে দে ০ র

I পৰ্জা -জ্বা -জ্বা | রঞ্জা -ৰঞ্জা সা | গৰ্সা -গৰ্সা -সা | গা -ধা -পা I
 ফিৰো রিয়া ০০ এ লো০ ০০ না কে ০ উ^ট
 জৰু ল সা ছি০ ০০ ল এ০ ই০ সে দে ০ শ্

I পা -া গা | ধণা -ধপমা -মা | পধা -পৰ্জণা -ধা | পা -া -া I
 আ জ এ প০ ০০০ থে যাও ০০০ আ যা ০ র
 আ জ শু শাও ম০০ ছি ল০ ০০০ য থা ০ শু

[পা -ণা -পা]
 I পা -া পদা | -পমা -া পা | জ্বমা -জ্বমজ্জা -মা | পা -া -া II
 কা ল নাও হি০ ০ তাৰ চি০ ম০০ হ লে ০ শ্
 ব হ রাও মে০ র আ রাও মৰু আ যে ০ শ্

'ফিৰিনু পথিক' ইত্যাদি।

II সা -া মা | জ্বা -ৱা -সসা | সা -া সা | -সা -া -া I
 রা ০ ত্ৰি দি ০ বাৰ র ঙ ম হ ০ ল

I সা -ৰা -সা | সৱা -ৰা -গা | সা -ৰা -পা | -পা -ৰা -পা |
চি তৰু অ | তৰু অ | চন্দ্ৰা | তৰু অ |

I পা -ধা -মা | -পা -ধা -গৰ্মা | ধৰ্মা -সৰ্গা -ধা | পা -ধা -মা |
দু দি নে বু এ | পাঠ বুখ থ | বাৰু স

I মপা -মা জ্ঞা | -জ্ঞমা -জ্ঞমা পা | গা -সা স্মা | -জ্ঞমা -জ্ঞমা -মা II II
এ | ই ভু বু নু এ | সু খ আ | বেৰু শ